शिक्षा का उत्थान शिक्षक का सम्मान मानवता का कल्याण

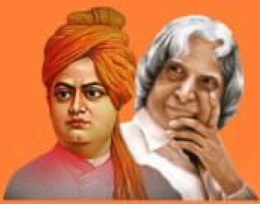

मिशन शिक्षण संवाद

की प्रस्तुति

बाल सृजन संसार

(माह- फरवरी 2023)

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढाएँ। #9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 01/02/2023

343

दिन- बुधवार

ऋषि

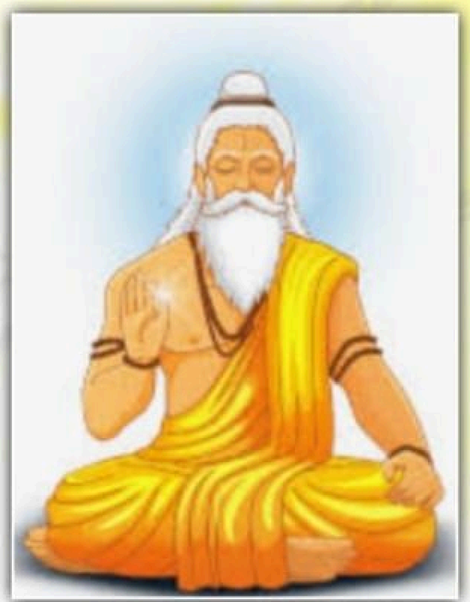

ऋषि तप- जप करते हैं,
हम लोग चुप तब रहते है।
जब वह आँखें खोलते हैं,
तब हम उनसे बातें करते हैं।।

ऋषि बातें बताते हैं,
शिष्य उसे ध्यान से सुनता है।
तब हम बात जानते हैं,
ऋषि के पास ज्ञान होता हैं।।

रचना-
काजल कुमारी (कक्षा- 5)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

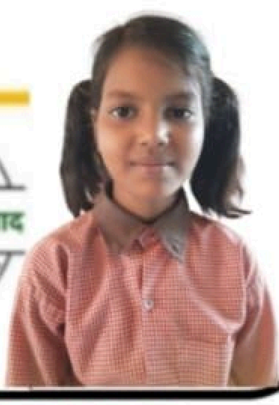

नया साल

नया साल आया है,
ठण्ड बढ़ाकर लाया है।
कोहरे की धूम मची है,
पाले की परत जमी है।।

वृक्षों की पत्तियाँ झड़ चुकी हैं,
पौधों में है मुरझाहट आई।
पशु-पक्षी सब दुबक चुके हैं,
ऐसा नववर्ष आया है भाई।।

मूँगफली, रेवड़ी की धूम मची है,
जलेबियों की बहार है आई।
सोते-जागते ठण्ड है भाई,
इस ठण्ड की जल्दी करो विदाई।।

ऐसा नववर्ष आया है भाई,
लोग लड़े बर्फ-पाले से लड़ाई।
रजाई छोड़ने का मन ना करता भाई,
ऐसे में कौन करेगा पढ़ाई।।

रचना-:
कु० कंचन रावत (छात्रा)
कक्षा-पञ्चम्
रा० प्रा० वि० जैली
ब्लॉक- जखोली, रुद्रप्रयाग

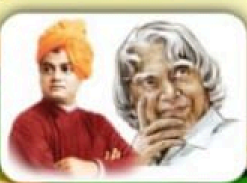

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 03-02-2023

345

दिन- शुक्रवार

पेड़ों की दशा...

हे! मानव तुझे पता नहीं क्या,
जिस पौधे को काट रहा तू।

इस पौधे ने तुझे जान दिया,
पालन-पोषण तेरा साथ किया।
माँ के समान तेरी सेवा की,
हर जरूरत का सामान दिया।।

फिर भी तुझे उसका भान नहीं,
उसके त्याग का तुझको ध्यान नहीं।
ही मानव मूर्ख सोच जरा,
जिसने तुझको है छाया दी।
फिर भी उसका संहार किया।।

अगर पेड़ नही होते धरती पर,
बिन साँस के मर जाता तू।
हे मानव मूर्ख देख जरा,
जिस पौधे को काट रहा तू।।

रचना-

नितेश शुक्ला (कक्षा-8)
UPS, चरवा, क्षेत्र- चायल,
जनपद- कौशाम्बी

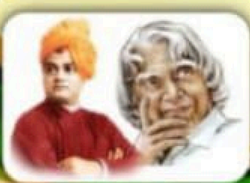

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक-04-02-2023 | 346 | दिन- शनिवार

बसन्त ऋतु

देखो बसन्त की ऋतु है आई,
ठण्ड पड़ रही हल्की-फुल्की।
सुबह-शाम लगती है सर्दी,
लगे, शाम जब क्षितिज में ढुलकी।।

चारों ओर खिले खेतों में,
अगणित नाना रंग के फूल।
पीले, नीले, लाल, बैंगनी,
इससे भगे हृदय का शूल।।

मन खुश होता देख इन्हें है,
खुशबू बसी हवा चहुँ ओर।
पर्यावरण को शुद्ध करे ये,
फागें गायें लोग है शोर।।

खेतों की इस हरियाली से,
भगे प्रदुषण जो छाया।
धरती दुल्हन सी लगती है,
सजी हुई निखरी काया।।

रचना
पारुल नायक (कक्षा-6)
पू० मा० वि०-बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी (उ०प्र)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
बाल सृजन संसार
दिनाँक- 06/02/2023
347
दिन- सोमवार

पेड़ लगाओ (भाग- 1)

हवा प्राकृतिक पेड़ प्राकृतिक,
दोनों हम सबके जीवन रक्षक।
पेड़ सदा जो एक जगह पर,
हवा बहती है इधर-उधर।।

पहाड़ हों या हों मैदान,
घाटी हो या रेगिस्तान।
पेड़ हवा ही देते हैं,
हम सबको जीवन दान।।

पेड़ हमें सब कुछ देते हैं,
वे सब कुछ सहते रहते हैं
फिर भी क्यों हम पेड़ों को?
दिन-रात काटते रहते हैं।।

रचना-:
कु० राखी (कक्षा- 7)
रा० उ० प्रा० वि० सारी
ब्लॉक- ऊखीमठ, रुद्रप्रयाग

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 07.02.2023

384

दिन- मंगलवार

सभी फलों का राजा आम,
Mango है अंग्रेजी नाम।
संस्कृत में कहते हैं आम्रः,
पका या कच्चा खाओ आम।।

कितना प्यारा-प्यारा आम!
बागों में है फलता आम।
ताजा है रसीला आम,
दिखता रंग-रंगीला आम।।

राष्ट्रीय फल कहलाता आम,
गर्मी में है आता आम।
मेरे मन को भाता आम,
तोता भी खाता है आम।।

रचना
सोनिका (कक्षा 6)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
बाल सृजन संसार

दिनाँक- 08/02/2023 | 349 | दिन- बुधवार

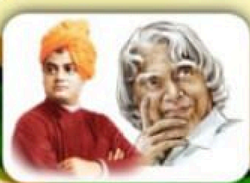

पेड़ लगाओ (भाग- 2)

दर्द हमें भी होता है,
पेड़ों को भी होता है।
अगर धरती में पेड़ न होते,
क्या हमें ताजी हवा मिलती।।

पेड़ औषधियों के हैं भण्डार,
पेड़ धरती के हैं श्रृंगार।
पेड़-पौधे सन्तान समान,
इनका मत करो अपमान।।

पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ,
पर्यावरण को शुद्ध बनाओ।
सूखी धरती रही पुकार,
पेड़ लगाओ करो मेरा श्रृंगार।।

रचना-:
कु० राखी (कक्षा- 7)
रा० उ० प्रा० वि० सारी
ब्लॉक- ऊखीमठ, रुद्रप्रयाग

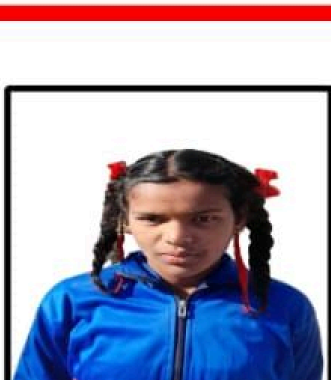

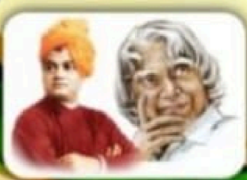

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 09/02/2023

350

दिन- गुरुवार

बन्दर

बन्दर आया, बन्दर आया,
भूरा-सा दिखता है बन्दर।
उछल-कूद कर खेल दिखाता बन्दर,
हम-सबको खूब हँसाता बन्दर।।

पेड़ों पर खूब उछलता बन्दर,
केले खूब खाता बन्दर।
अमरुद भी खाता बन्दर,
अच्छे करतब दिखाता बन्दर।।

मदारी के साथ आता बन्दर,
प्यारा-प्यारा दिखता बन्दर ।
सबसे न्यारा दिखता बन्दर,
बन्दर आया, बन्दर आया।।

रचना-
जिज्ञांशु निगम (कक्षा-3)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
वि०क्षे०- चहनियाँ, जनपद - चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 10.02.2023

351

दिन- शुक्रवार

चिड़िया रानी

एक छोटी सी चिड़िया,
सुन्दर और है बढ़िया।
उड़ती जाती फर्र से,
आ जाती है सर्र से।।

जब चूँ-चूँ करती है,
मुझे अच्छी लगती है।
कोई सफेद, कोई काली,
होती है बड़ी निराली।।

चिड़िया रानी, चिड़िया रानी,
तू तो आसमान की रानी।
जैसे ही पकड़ें हम तुझको,
उड़ जाती है बड़ी सयानी।।

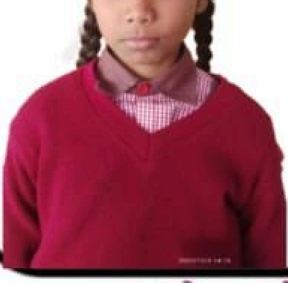

रचना

मानसी मिश्रा (कक्षा- 5)
प्रा० वि० पिपरी नवीन
क्षेत्र- मिश्रिख (सीतापुर)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

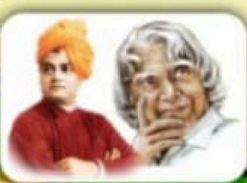

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 11-02-2023

352

दिन- शनिवार

बस्ता

मम्मी मुझको बस्ता ला दो,
मैं उसे लेकर पढ़ने जाऊँगा।
दीदी के संग स्कूल जाकर,
नई बातें सीख कर आऊँगा

दीदी जब स्कूल जाती,
मेरा मन ललचाता है।
दीदी बताती अच्छी बातें
मुझको कुछ नहीं आता है।।

रचना-
धर्मवीर (कक्षा-6)
उ० प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

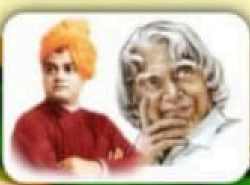

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक-13-02-2022 | **353** | दिन- सोमवार

बसन्ती महीना

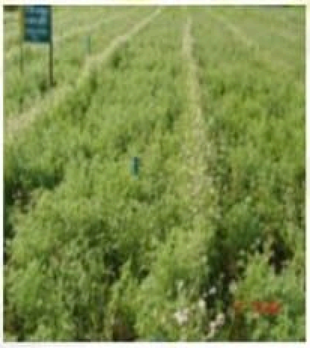

आ गया बसन्ती ये महीना,
हम सबको लगता है प्यारा।
डाली-डाली पे फूल खिले,
है हरी भूमि, ये जग न्यारा।।

राई, मटर, सरसों, गेहूँ की,
इठला रहीं हैं सभी डालियाँ।
पीले, लाल, सफेद, बैंगनी,
पुष्प बिखेरें सुगन्ध, बालियाँ।

लगी सभी में छोटी-छोटी,
संग हवा के झूम रहीं।
स्वच्छ, औषधीय गुण लेकर,
सबके रोगों को भगा रही।।

देखूँ जब कोमल, चमकीली,
सूर्य किरण से दमक रही।
नव ऊर्जा, उत्साह, प्रेरणा,
सबमें सहज जगाय रही।।

रचना
अंशुल (कक्षा-5)
प्रा० वि०- बम्हौरी,
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 14-02-2023

354

दिन- मंगलवार

सुबह-सवेरे

सुबह हुई अब तो जागो,
जल्दी अपने काम में भागो।
अपनी आँखे तुम खोलो,
ठण्डे पानी से मुँह धो लो।।

पेड़ो पर पक्षी हैं चहके,
बगिया में फूल हैं महके।
सुबह की किरण सुहानी,
हमेशा बोलो मीठी वाणी।।

रचना-
सचिन कुमार (कक्षा-7)
उ० प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

new text

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक-15.02.2023

355

दिन- बुधवार

दिवाली

दिवाली आयी, दिवाली आयी,
सबके घर में खुशियाँ लायी।
बच्चों को खूब हँसायी,
घर को भी खूब चमकायी।।

घर को हम सजायेंगे,
रंगोली भी बनायेंगे।
मोमबत्ती भी जलायेंगे,
पटाखे भी बुलायेंगे।।

रचना-
काजल कुमारी (कक्षा- 5)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

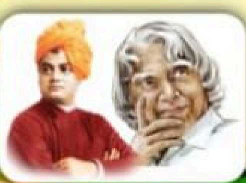

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 16.02.2023

356

दिन- गुरुवार

गणतन्त्र दिवस

गणतन्त्र दिवस का पर्व आया,
हमारे वीरों ने तिरंगा लहराया।
भारत देश को आज सजायें,
हम गणतन्त्र का पर्व मनाएँ।।

भारत माता को सजायेंगे,
हम गणतन्त्र दिवस मनाएँगे।
हमारे वीरों ने बनाया गणतन्त्र,
हमारे शहीदों ने किया स्वतन्त्र।।

हम भी गणतन्त्र दिवस मनाएँगे,
पूरे भारत में तिरंगा लहराएँगे।
संविधान का मान बढ़ायेंगे,
तिरंगे की शान बढ़ाएँगे।।

हम भारत माता का नाम जुबाँ पे लाएँगे,
मिलकर भारत माता का गान गाएँगे।

रचना-:
कु० राखी (कक्षा- 7)
रा० उ० प्रा० वि० सारी
ब्लॉक- ऊखीमठ, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 17.02.2023 | 357 | दिन- शुक्रवार

यातायात नियम

यातायात नियमों का पालन करिये,
दुर्घटनाओं से बचकर रहिये।
वाहन धीमी गति से चलाएँ,
जिम्मेदार नागरिक का फर्ज निभाएँ।।

गाड़ी आप जब भी चलाएँ,
सीटबेल्ट जरूर लगाएँ।
कुछ सावधानियाँ अपनाएँ,
जीवन को सुरक्षित बनाएँ।।

दोपहिया वाहन चलाते समय,
सिर पर हेल्मेट अवश्य लगाएँ।
लाल बत्ती यदि देखें सिग्नल पर,
तो धैर्य पूर्वक ठहर जाएँ।।

पीली बत्ती पर रहेंगे तैयार,
हरी बत्ती जलने पर ही जाएँगे।
यातायात सुरक्षा की ये बातें,
जन-जन को समझाएँगे।।

रचना

अनुज जायसवाल (कक्षा-6)
उ० प्रा० वि०- स्योढ़ा
वि० क्षे०- बिसवाँ
जनपद- सीतापुर

फाल्गुन मास

आया फाल्गुन माह है,
सुनहु सभी नर-नारी।
खिले पुष्प चहुँ ओर हैं,
छायी हरियाली भारी।।

जिधर देखता लहूँ सुख,
आती जब पास वयारी।
सुरभित सौरभ सुमन लें,
देय हटा सब दुबिधारी।।

मन की है ये कामना,
पल्लवित, पुष्पित वृक्ष सदा।
हों हर गली व मेड़ में,
तब जीवन हो खुशहाल यदा।।

ओजोन परत क्षय हो नहीं,
न हो बसुधा गर्म कभी।
न बदले जलवायु ये,
चेत जाओ सब जन अभी।।

रचना
पारुल नायक (कक्षा-6)
पू० मा० वि०-बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी (उ०प्र)

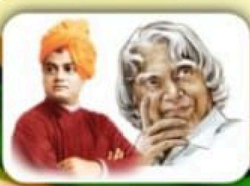

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 20-02-2023 **359** दिन- सोमवार

रक्षा क्षेत्र में विज्ञान ...

कक्षा-6, विषय- विज्ञान, इकाई- 01

भाला, तीर-धनुष, तलवार,
बरछी, मुग्दर, गदा, कटार।
बघनख, ढाल, पाश औजार,
प्राचीन काल के ये हथियार।।

टैंकर, तोप, मिसाइल, गन,
खतरनाक परमाणु बम।
आधुनिक युग के ये हथियार,
पल में करते हैं संहार।।

मानवता की रक्षा के हित,
इनका करें प्रयोग।
सिखलाता विज्ञान सभी को,
मत करना मेरा दुरुपयोग।।

रचना-
श्वेता मिश्रा (कक्षा-8)
उ० प्रा० वि० चित्रवार
क्षेत्र- मऊ जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

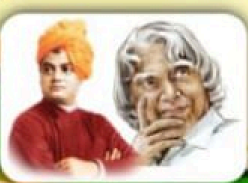

बाल सृजन संसार

दिनाँक-21/02/2023 **360** दिन- मंगलवार

26 जनवरी का दिन

26 जनवरी का दिन है आज,
पूरे देश में खुशियों का राज।
तिरंगे की शान बढ़ी,
संविधान की आन बढी।।

सब बच्चे बजाते हैं साज,
26 जनवरी का दिन है आज।

दिल्ली में राष्ट्रपति फहराते झण्डा,
अमर रहेंगे शहीद और तिरंगा।
सब बच्चे नाचेंगे आज,
दिलाते हैं संविधान की याद।।

दिल्ली में है सुन्दर परेड,
सैनिकों का है यही सन्देश।
26 जनवरी का दिन है आज,
पूरे देश में खुशियों का राज।।

रचना-:
आयुषी नेगी (कक्षा-8)
रा० उ० प्रा० वि० सारी
ऊखीमठ, जनपद- रुद्रप्रयाग
(उत्तराखण्ड)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद

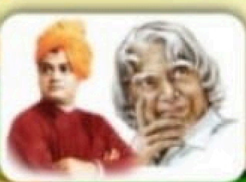

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 22/02/2023 | 361 | दिन- बुधवार

मन करता है

मन करता है डॉक्टर बनकर,
गरीबों का मुफ्त मैं इलाज करूँ।
मन करता है राजा बनकर,
सब बच्चों को चॉकलेट दिलाऊँ।।

मन करता है टीचर बनकर,
बच्चों को मैं खूब पढ़ाऊँ।
मन करता है बन्दर बनकर,
सबको मैं नखरे दिखाऊँ।।

मन करता है बच्चा बनकर ,
घर पर मैं खूब पढ़ूँ।
मन करता है दीदी बनकर,
भाई-बहन को स्कूल पहुचाऊँ।।

मन करता है आम बनकर,
सबका मैं जी ललचाऊँ।
मन करता है पापा बनकर,
बच्चों को कॉपी, पेन दिलाऊँ।।

रचना-
अर्चना कुमारी (कक्षा- 4)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
क्षेत्र- चहनियाँ, जनपद- चन्दौली

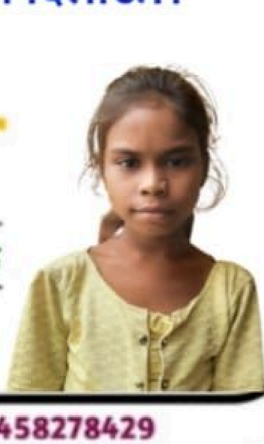

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 23.02.2023

362

दिन- गुरुवार

अखबार....

हुआ सवेरा, आया अखबार,
नयी-नयी खबरें लाया अखबार।
तरह-तरह की खबरों से भरा अखबार,
सभी पढ़ें रोज नया अखबार।।

दादा-दादी, ताया-चाची, मम्मी पापा,
टीचर और हम प्रति-दिन पढ़ें अखबार।
दैनिक जागरण, अमर उजाला, हिन्दुस्तान,
आदि सब हैं प्रसिद्ध हिन्दी अख़बार।।

रचना
कज़ल अरीशा (कक्षा 10)
एल्पिस ग्लोबल स्कूल
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

बाल सृजन संसार

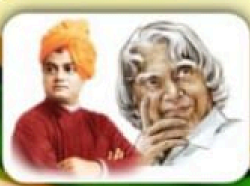

दिनाँक- 24.02.2023

363

दिन- शुक्रवार

क्रिसमस आया..

क्रिसमस आया, क्रिसमस आया,
बच्चों का मन है मुस्कुराया।
स्कूल है सारा हमने महकाया,
कमरा कमरा गुब्बारों से चहकाया।।

सांता क्लाज स्कूल हमारे आयेंगे,
नए खिलौने खूब सारे लायेंगे।
सांता क्लॉज ने की आवाज,
बच्चे आओ मेरे पास।।

जीजस की याद का है ये दिन,
बच्चों का प्यारा है ये दिन।
खेल-खिलौने और उपहार,
हमको अच्छा लगता है त्यौहार।।

रचना-
अभिषेक कुमार (कक्षा-3)
प्रा० वि० नगला मान सिंह,
क्षेत्र- लोधा, जनपद- अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

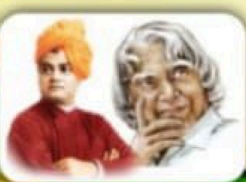

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 25-02-2023

364

दिन- शनिवार

किसान

किसान खेत में फसल उगाता,
मेहनत से वह न घबराता।
जाड़ा, गर्मी या हो बरसात,
काम करे वह दिन-रात।।

उसकी मेहनत से अन्न पाते,
उसी अन्न को हम सब खाते।
फसल जो खेतों में लहलहाये,
किसान उसे देख मुस्काये।।

रचना-
नीरज कुमार (कक्षा-7)
उ० प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद

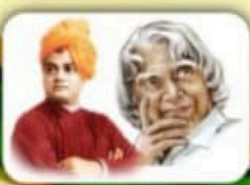

बाल सृजन संसार

दिनाँक- 27-02-2023 365 दिन- सोमवार

उड़े गुब्बारे

नीतू गयी जहाँ बाजार,
लायी गुब्बारे वह चार।
बचे तीन इक हाथ से छूटा,
चली वहाँ जब तेज बयार।।

तभी एक तहँ आई चिड़िया,
दिया झपट्टा उसने मार।
ले गयी एक तभी गुब्बारा,
बचे हाथ में दो, गई हार।।

तभी पेड़ से लगकर फूटा,
एक गुब्बारा, एक बचा।
नीतू ने वह आसमान में,
उड़ा दिया, नहीं कोई रहा।।

रचना
कु० गौरी गुप्ता (कक्षा-4)
प्रा० वि०- बम्हौरी
ब्लॉक- मऊरानीपुर
जनपद- झाँसी (उ०प्र०)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

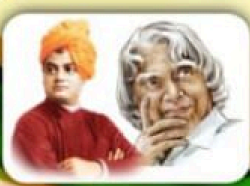

बाल सृजन संसार

दिनाँक-28/02/2023

366

दिन- मंगलवार

मन करता है

मन करता है बच्चा बनकर,
मम्मी की गोदी में खेलूँ।
मन करता है लेखक बनकर,
मैं भी अपनी कहानी लिखूँ।।

मन करता है खेतों में जाकर,
मम्मी-पापा संग फसल उगाऊँ।
मन करता है दीदी बनकर,
बच्चों को मैं ट्यूशन पढ़ाऊँ।।

मन करता है जंग में जाकर,
दुश्मन को मैं मार भगाऊँ।
मन करता है मैडम बनकर,
सब बच्चों को पाठ पढ़ाऊँ।।

रचना-:
पूजा आर्या (कक्षा-4)
रा० प्रा० वि० परमा,
ब्लॉक- हल्द्वानी, नैनीताल
(उत्तराखण्ड)